सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 142 | जौनपुर,शुक्रवार, 10 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

सर्जरी एक बार होगी और उसके लिए हमें तैयार रहना होगा - मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में शाही जामा मस्जिद विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अदालत के आदेश वाले सर्वेक्षण का जोरदार बचाव किया, ताकि दावों का पता लगाया जा सके कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू धार्मिक स्थलों पर कब्जे को एक घाव बताया और दावा किया कि इसकी सर्जरी की आवश्यकता है नहीं तो यह कैंसर में बदल सकती है। नवंबर में 16वीं सदी की मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण संभल में हिंसक झड़पें हुईं। पाँच लोग मारे गए और लगभग

20 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। योगी ने कहा कि मैं किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हूं और उस जगह का सम्मान करता हूं जहां लंबे समय से प्रार्थनाएं होती रही हैं।श लेकिन अगर किसी समुदाय का प्राचीन स्थल टूट जाता है तो इसकी कड़ी आलोचना की जानी चाहिए। देखिए कैसे संभल का इस्लामीकरण कर दिया गया है। हमारे धर्म के सभी चिन्हों को नष्ट कर दिया गया है, ढक दिया गया है और ठोस बना दिया गया है। 2017 से पहले वहां लगातार दंगे हुए। योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले लिखे गए हिंदू साहित्य में विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के भविष्य के अवतार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऋषि सदैव ज्ञान की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है, जिसने समय-समय पर देश को नेतृत्व दिया, नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्सनातनश तो हमेशा शिखर पर ही रहा है, इसलिए सनातन है... हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह श्वक्फ बोर्डश है या भू-माफियाओं का बोर्ड है। एक-एक इंच लैंड वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने श्री अयोध्या धाम के वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है, उनको नैतिक रूप से वहां जाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मूल संविधान में कहीं भी श्सेक्युलरश और श्सोशलिस्टश शब्द नहीं हैं।

ममता बनर्जी ने किया केजरीवाल का समर्थन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए ममता बनर्जी ने आम आदमी पार्टी को अपनी पार्टी का समर्थन दिया है। हाल ही में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अरविंद केजरीवाल को अपना समर्थन दिया था। जबकि आप और कांग्रेस दोनों इंडिया ब्लॉक का हिस्सा रहे हैं, दोनों के बीच तनाव उभर आया है और आप ने कांग्रेस को गठबंधन से हटाने की मांग की है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस नेतृत्व को लेकर इंडिया गुट के भीतर दरार बढ़ गई है, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को अपना समर्थन दिया है और कांग्रेस अकेले लड़ रही है। बड़ा सवाल ये है कि आखिर ममता बनर्जी ने आप का समर्थन क्यों किया? इसको लेकर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमारी नेता ममता बंदोपाध्याय प्रत्येक सदस्य का सम्मान करती हैं। हम आप का समर्थन करते हैं जो 2013 से सफलतापूर्वक सरकार चला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि भाजपा अपने आख्यान के माध्यम से वोट ले रही है। कांग्रेस ने अपने अहंकार के लिए मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी या हरियाणा में आप को कोई सीट आवंटित नहीं की, जबकि लोकसभा चुनाव मेंआप ने कांग्रेस को सीटें आवंटित कीं। कीर्ति आजाद ने कहा कि कांग्रेस को क्षेत्र की परवाह किए बिना हर पार्टी का सम्मान करना चाहिए ।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने बनभूलपुरा दंगा आरोपी को जमानत दी

बनभूलपुरा, (एजेंसी)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में फरवरी 2024 में हुए दंगों के आरोपी दो लोगों को बुधवार को 'डिफॉल्ट' (निर्धारित अवधि में आरोप-पत्र दायर नहीं होने पर) जमानत दे दी। न्यायमूर्ति मनोज तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने दंगों के सिलसिले में कई अन्य लोगों के साथ आरोपी अरशद अयूब और जावेद सिद्दीकी को जमानत दी। अदालत ने दो जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हल्द्वानी के मुस्लिम बहुल बनभूलपुरा इलाके में आठ फरवरी को अवैध मदरसा और उसके परिसर में नमाज अदा करने के लिए बनाए गए एक छोटे से ढांचे को गिराए जाने को लेकर दंगे भड़क उठे थे, जिसके बाद यह मामला दर्ज किया गया था। मामले में 90 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल नहीं किए जाने पर 50 अन्य आरोपियों ने 29 अगस्त, 2024 को उच्च न्यायालय से डिफॉल्ट जमानत प्राप्त कर ली थी।

मणिपुर के 500 युवाओं को दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा : मुख्यमंत्री

मणिपुर, (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि राज्य के लगभग 500 युवाओं को एयरलाइन में केबिन क्रू के पद पर नौकरी के लिए दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को प्राथमिकता दी जाएगी। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का वित्तपोषण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 स्टार्टअप्स ने पहले ही लगभग 432 आंतरिक रूप से विस्थापितों को रोजगार दिया है। सिंह ने कहा कि सरकार जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में हर संभव सहायता दे रही है। उन्होंने कहा, बिष्णुपुर जिले के फुबाला इलाके में सरकार ने प्रीफेब्रिकेटिड मकानों का निर्माण किया है।

छह नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, मुख्यमंत्री ने संविधान की प्रतियां भेंट कर किया स्वागत

कर्नाटक में छह कट्टर नक्सलियों (माओवादियों) ने बुधवार को यहां मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। लता मुंडागारू ने सशस्त्र संघर्ष को त्यागने के प्रतीक के रूप में अपने ज्ञापन की एक प्रति के साथ अपनी नक्सली वर्दी मुख्यमंत्री को सौंपी। सिद्धरमैया ने लता और उनके पांच सहयोगियों का गुलाब के फूल एवं संविधान की प्रतियां देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दक्षिण कन्नड़ जिला निवासी सुंदरी कुटलुरु, चिक्कमगलुरु निवासी लता, रायचूर निवासी मरप्पा अरोली, चिक्कमगलुरु निवासी वनजाक्षी बालेहोल के साथ ही जीशा, केरल के वायनाड से हैं और के वसंत, तमिलनाडु के वेल्लोर से हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की ओर से बोलते हुए लता ने उन्हें सम्मान के साथ मुख्यधारा में लौटने में मदद करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे राजभवन

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार की सुबह राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मिलने राजभवन पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री अपने काफिले के साथ राजभवन पहुंचे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलने क्यों गए हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। वैसे, बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री राजभवन में औपचारिक मुलाकात करने पहुंचे हैं। प्रदेश में चर्चा मंत्रिमंडल विस्तार की भी हो रही है। ऐसे में इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों का तापमान बढ़ गया है। समझा जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच यह मुलाकात हो सकती है। हालांकि जदयू के तरफ से भी अब तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है। चर्चा है कि बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार 15 जनवरी के बाद यानी खरमास समाप्त होने के बाद कभी भी हो सकता है। इस विस्तार में भाजपा के चार नए चेहरे शामिल होंगे। इसके साथ ही वर्तमान में भाजपा के जिन मंत्रियों के पास कई विभाग हैं, उनके विभागों का पुनर्वितरण किया जाएगा। ये विभाग कैबिनेट में शामिल होने वाले नए मंत्रियों के बीच बांटे जाएंगे। नीतीश कुमार के कैबिनेट में फिलहाल दो उप मुख्यमंत्री है और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा से संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय सुमित कुमार सिंह भी मंत्रिमंडल में शामिल हैं। फिलहाल भाजपा कोटे से 15 मंत्री मंत्रिमंडल में हैं। ऐसे में चर्चा है कि भाजपा से और चार लोगों को मंत्री बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के समय जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधने की कोशिश की जाएगी। वैसे, किसी आधिकारिक बयान के बाद ही पता चल सकेगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलने क्यों गए थे।

आदित्य ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम के सामने कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। इसके बाद आदित्य ठाकरे ने मीडिया से बात की। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर कहा, ष्आज हमने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत की और विनती की है कि जो श्वॉटर फॉर ऑलश योजना है, जिसे हम लेकर आए थे उस पर वे वापस अमल करें। पिछली सरकार ने इस योजना को श्स्थगितश कर दिया था। हम चाहते हैं कि मुंबई के हर घर को पानी मिलना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमने पहले भी कहा है कि अच्छे कामों और जनता के हितों के कामों में हम सत्ता पक्ष का साथ देंगे। जनता के कामों के लिए साथ आना जरूरी है।ष इसके अलावा

उन्होंने कहा कि सीएम के साथ सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों के जो विषय थे उन पर चर्चा की गई। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए काम किया है और दिल्ली का जो चेहरा बदला है, उसे कोई नकार नहीं सकता है। उसे तो स्वीकार करना ही चाहिए। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर भी आदित्य ठाकरे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पृथ्वीराज चव्हाण ने सही कहा है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जीतने चाहिए। बता दें कि आठ जनवरी को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने आईएएनएस से बात करते हुए दिल्ली विधनसभा चुनाव को लेकर कहा था कि दिल्ली के चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। शायद अरविंद केजरीवाल फिर से चुनाव जीत जाएंगे। हालांकि, अपने टिप्पणी पर उन्होंने गुरुवार को सफाई दी। पृथ्वीराज चव्हाण एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्दिल्ली विधानसभा चुनाव पर मेरी टिप्पणी को गलत संदर्भ में लिया गया। अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर चुनाव लड़ता तो गंठबंधन की जीत पक्की होती। अब जब सभी प्रमुख पार्टियां मैदान में हैं, तो यह खुला चुनाव हो गया है।

दिल्ली में केजरीवाल ताकतवर, देशद्रोही कहना ठीक नहीं : संजय राउत

महाराष्ट्र , (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की स्थिति को लेकर राजनीतिक दल असमंजस में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ही प्रमुख दल हैं और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की ताकत सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव मेंआम आदमी पार्टी अच्छे मार्जिन

से जीत रही है और यह स्थिति पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए अहम है, जो उन्हें आगे चलकर उत्साहित करेगी। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन में हैं। वहीं, उन्होंने कांग्रेस नेता अजय माकन के अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही बताने की निंदा की। कहा कि केजरीवाल को देशद्रोही करार देना ठीक नहीं है। हम इस बयान से सहमत नहीं हैं, क्योंकि केजरीवाल और आम आदमी पार्टी भी इंडिया ब्लॉक के सम्माननीय सदस्य हैं, जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि लोकसभा चुनाव में वे कांग्रेस के साथ हैं और महाराष्ट्र में भी कांग्रेस के साथ गठबंधन बनाए रखेंगे। संजय राउत ने कहा कि दिल्ली में चुनावी स्थिति अलग है ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन कार्यालय पर छात्रों ने जड़ा ताला

नई दिल्ली, (एजेंसी)।दिल्ली विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) व डूसू से जुड़े छात्रों ने विश्वविद्यालय के डीन के कार्यालय पर ताला जड़ दिया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि एक नाबालिग छात्रा के शोषण के आरोपी प्राध्यापक को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। लगभग छह घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के बाद बुधवार शाम आरोपी प्राध्यापक ने संयुक्त डीन स्टूडेंट वेलफेयर के पद से इस्तीफा दे दिया। अभाविप कार्यकर्ताओं और अभाविप नीत डूसू ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन तथा ज्वाइंट डीन (छात्र कल्याण) कार्यालय पर ताला जड़ते हुए रामजस कॉलेज की एक नाबालिग छात्रा के यौन शोषण के आरोपी प्राध्यापक को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की। छात्रों ने इस संबंध में पुलिस जांच कराने की मांग की है। इस मांग के साथ कार्रवाई की मांग करते हुए अभाविप कार्यकर्ता कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। छात्रों का कहना है कि लगभग एक माह पूर्व रामजस महाविद्यालय में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ वहां के प्राध्यापक ने यौन शोषण तथा छेड़छाड़ किया था, जिसकी शिकायत छात्रा ने की थी। आरोपी प्राध्यापक द्वारा इस मामले को दबाने और छात्रा की शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई न किए जाने पर रामजस महाविद्यालय की अभाविप इकाई ने 24 दिसंबर को कॉलेज में प्रदर्शन कर प्राध्यापक के निलंबन की मांग की। यह प्राध्यापक स्टूडेंट वेलफेयर मामलों का ज्वाइंट डीन भी है। डूसू का एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस से भी मिला था। छात्रों ने पुलिस से मामले का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई की मांग की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह तथा सचिव मित्रविंदा कर्नवाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम ज्ञापन देकर उक्त प्राध्यापक को सभी प्रशासनिक पदों से निलंबित कर त्वरित जांच की मांग की थी। छात्रों का कहना है कि जब पिछले 10 दिनों में भी कोई कार्रवाई नहीं हुई तथा आरोपी प्राध्यापक अपना रसूख दिखाते हुए विश्वविद्यालय में घूमता रहा तो बुधवार को विद्यार्थी परिषद ने कार्यालय पर तालाबंदी कर आरोपी प्राध्यापक के निलंबन की मांग की। छात्रों के मुताबिक इस क्रम में जब आंदोलन के लिए रामजस कॉलेज के कुछ छात्र अपने महाविद्यालय से निकल रहे थे, तब उक्त प्राध्यापक के मित्र ने उनको रोकने का प्रयास करते हुए उन्हें आंदोलन करने से मना किया। इसके बाद भी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पहुंच कर वहां तालाबंदी कर दी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की सचिव मित्रविंदा ने कहा कि रामजस प्रशासन तथा दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन से बार-बार बात करने के बाद भी दिल्ली विश्वविद्यालय ने आरोपी प्राध्यापक पर कोई कार्रवाई नहीं की तथा वह विश्वविद्यालय में अपना रसूख दिखाता हुआ खुला घूम रहा है। हमें मजबूरी में दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफिस पर ताला लगाना पड़ा। उन्ध्होंने कहा कध् जब तक आरोपी को पदच्युत नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा, "इस प्रकरण में छात्रा को न्याय दिलाने के लिए अभाविप एक महीने से निरंतर लड़ाई लड़ रहा है, परंतु एक बड़ा समूह, जिसमें कई प्राध्यापक भी शामिल हैं, आरोपी प्रोफेसर को बचाने व इस मुद्दे को दबाने में लगे हैं। ऐसे सभी लोगों के विरुद्ध अभाविप इस लड़ाई को तब तक लड़ेगी जब तक ऐसे एक-एक व्यक्ति को इस विश्वविद्यालय से बाहर नहीं कर देंगे।"

राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अब दिल्ली चुनाव में जाट आरक्षण का मुद्दा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने हमले को तीखा कर लिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अब दिल्ली चुनाव में जाट आरक्षण का मुद्दा लेकर सामने आए हैं और इस आरक्षण के नाम पर उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को भेजे अपने पत्र में कहा है कि जाट समाज के साथ प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 साल से बहुत बड़ा धोखा किया है। दिल्ली सरकार की एक ओबीसी लिस्ट है। इस ओबीसी लिस्ट में जाट समाज का नाम आता है। लेकिन केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में दिल्ली का जाट समाज नहीं आता है। तो दिल्ली यूनिवर्सिटी में जब बच्चे एडमिशन लेने जाते हैं तो उसमें दिल्ली के जाट समाज को रिजर्वेशन नहीं मिलता। केंद्र सरकार के किसी भी कॉलेज में या यूनिवर्सिटी में जाते हैं या केंद्र सरकार के किसी भी संस्था जैसे दिल्ली पुलिस या डीडीए में नौकरी लेने जाते हैं तो दिल्ली के जाट समाज को उसमें रिजर्वेशन नहीं मिलता। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि बड़ी दिलचस्प बात है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में जब एडमिशन लेने जाते हैं तो राजस्थान के जाट समाज को रिजर्वेशन मिलता है। लेकिन दिल्ली के जाट को कॉलेज में रिजर्वेशन नहीं मिलता। यह तो हमारे पूरे दिल्ली के जाट समाज के भाइयों और बहनों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने जाट समाज के नेताओं को चार बार अपने घर बुला कर आश्वासन दिया, भरोसा दिया, वचन दिया, गारंटी दी कि दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट के अंदर डाला जाएगा। 26 मार्च 2015 को प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिल्ली जाट समाज के प्रतिनिधियों को अपने घर बुलाकर यह वादा किया कि केंद्र की ओबीसी लिस्ट में दिल्ली के जाट समाज को शामिल किया जाएगा। उसके बावजूद 8 फरवरी 2017 को अमित शाह ने उप चुनाव से पहले चौधरी वीरेंद्र सिंह के घर पर देश के जाट नेताओं को यह वादा किया कि जो स्टेट लिस्ट में ओबीसी जाति है उनको केंद्र की लिस्ट में जोड़ा जाएगा, फिर भी नहीं किया। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में प्रवेश वर्मा के आवास पर अमित शाह जाट नेताओं से मिले, फिर वादा किया कि दिल्ली के जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल किया जाएगा, फिर धोखा दिया, फिर नहीं किया। आगे कहा, ष्इसके बाद 2022 में दिल्ली में फिर सैकड़ों जाट नेताओं को बुलाकर अमित शाह मिले और वादा किया और फिर से धोखा दे दिया। तो पिछले 10 साल में चार बार में से तीन बार देश के गृहमंत्री ने और एक बार देश के प्रधानमंत्री ने पूरे जाट समाज को किया अपना वादा पूरा नहीं किया। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को जाटों की याद केवल चुनाव के पहले आती है। हर चुनाव के पहले जाट समाज को बुलाते हैं। वोट दो, वोट दो, इस बार वोट दे दो अगली बार कर देंगे। अपने पत्र में केजरीवाल ने लिखा कि एनडीएमसी में, डीडीए में, सफदरजंग अस्पताल में, ऑल इंडिया मेडिकल में, राजस्थान के जाट समाज को रिजर्वेशन मिलता है। लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता। भाजपा की केंद्र सरकार पिछले 10 सालों से लगातार ये धोखा कर रही है। सिर्फ जाट समाज ही नहीं रावत, रौनियार, राय तंवर, चारण व ओड, इन सभी जातियों को दिल्ली सरकार ने ओबीसी दर्जा दिया हुआ है, लेकिन केंद्र सरकार इन जातियों को दिल्ली में मौजूद अपने संस्थानों में ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं दे रही है। दिल्ली में केंद्र सरकार की सात यूनिवर्सिटी हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दर्जनों कॉलेज हैं। दिल्ली पुलिस, एनडीएमसी, डीडीए, एम्स, सफदरजंग, राम मनोहर लोहिया जैसे केंद्र सरकार के कई संस्थानों में नौकरियां हैं जिनमें केंद्र सरकार के नियम लागू होते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार की इस वादाखिलाफी की वजह से दिल्ली के ओबीसी समाज के हजारों युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि दिल्ली में जाट समाज व ओबीसी की 5 अन्य जातियों के साथ केंद्र सरकार का ये पक्षपातपूर्ण रवैया इन जातियों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के उचित अवसर हासिल नहीं होने दे रहा है। इसलिए केंद्र सरकार को तुरंत केंद्रीय ओबीसी सूची की विसंगतियों में सुधार कर दिल्ली में ओबीसी दर्जा प्राप्त सभी

राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने भगदड़ पर जताया दुख

चेन्नई/ नई दिल्ली, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में बुधवार को बैकुंठ द्वार दर्शन टिकट केंद्र के पास भगदड़ मचने से हुई छह लोगों की मौत पर नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दुरूख जताया। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, ष तिरुपति में हुई दुखद भगदड़ बेहद दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। मैं कांग्रेस नेताओं

और कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि वे इस कठिन समय में हर संभव सहायता प्रदान करें। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर ट्वीट कर घायलों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट करते हुए लिखा ,ष तिरुपति के पवित्र मंदिर में हुई दुखद घटना वास्तव में दिल दहला देने वाली है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है,।

संपादकीय

बस्तर में नश्तर

छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा से ग्रस्त बस्तर के इलाके में पत्रकारिता करना तलवार की धार पर चलने जैसा ही है क्योंकि उन्हें न केवल माओवादियों व पुलिस प्रशासन के कोप का भाजन बनना पड़ता है, बल्कि अपराधी राजनेताओं व ठेकेदारों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। इसी कड़ी में टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की क्रूरता से हत्या करने और शव को सेप्टिक टैंक में डालने की वीभत्स घटना सामने आई। हत्या की वजह मुकेश द्वारा माओवादी इलाके में एक सड़क निर्माण में धांधली उजागर करना बताया गया है। खबर बीते साल दिल्ली के एक बड़े चौनल से प्रसारित हुई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले में जांच बैठाई थी। मुकेश की हत्या नये साल के पहले दिन की गई और तीन जनवरी को ठेकेदार द्वारा बनाये घरों के पुराने सेप्टिक टैंक से मुकेश का शव बरामद किया गया। बाद में मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। दरअसल, ठेकेदार से राजनेता बने सुरेश चंद्राकर कांग्रेस के एक प्रकोष्ठ में राज्य स्तरीय पदाधिकारी रहे हैं। कहते हैं कि पिछले महाराष्ट्र चुनाव में वे एक विधानसभा के पर्यवेक्षक भी रहे हैं। जिसके चलते इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई। एक ओर बीजेपी ने हत्यारे पर कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगाया तो कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर दोनों तरफ से खूब बयानबाजी हुई। लेकिन इसके बावजूद एक हकीकत यह है कि पत्रकारों को केवल माओवादियों व सुरक्षाबलों के गुस्से का ही शिकार नहीं होना पड़ता, उन्हें ठेकेदारों, राजनेताओं व अन्य अपराधी तत्वों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। उन्हें निर्भीक पत्रकारिता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। कहने को तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कह रहे हैं कि वे स्थिति से परिचित हैं और पत्रकारों के साथ खड़े हैं। लेकिन व्यवहार में पत्रकारों की सुरक्षा राम भरोसे ही है। उल्लेखनीय है कि ठेकेदार की क्रूरता का शिकार हुए मुकेश को पहले माओवादियों ने पुलिस– सरकार का आदमी बताकर धमकाया था। परिजनों का आरोप है कि माओवादियों की धमकी भरी चिट्ठी से पहले सुरक्षा बलों ने मुकेश समेत कुछ अन्य पत्रकारों पर बंदूक तानकर धमकाया था। जिसकी रिपोर्ट भी मुकेश ने बनायी थी। इससे कुछ माह पूर्व बीजापुर के एसडीएम ने मुकेश समेत कुछ पत्रकारों को माओवादी हिंसा की खबर प्रकाशित करने पर नोटिस देकर जवाब मांगा था। वहीं बीजापुर में कांग्रेस अध्यक्ष ने खबरों में पक्षपात के आरोप लगाकर मुकेश समेत कुछ पत्रकारों का बहिष्कार पत्र जारी किया था। घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि मुकेश की हत्या माओवादियों, सुरक्षा बल या किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि एक ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार ने की है, जो मुकेश का रिश्तेदार भी था। निश्चय ही यह घटना अन्य पत्रकारों के लिये लगातार असुरक्षित होते हालात की तरफ भी इशारा करती है। कुछ साल पहले बीजापुर में पत्रकार साईं रेड्डी की हत्या कर दी गई थी। जिसे पहले पुलिस ने छत्तीसगढ़ जन सुरक्षा कानून में जेल भेज दिया था और बाद में माओवादियों ने उसकी हत्या कर दी थी। बाद में पत्रकारों के आंदोलन के बाद माओवादियों ने खेद जताया कि यह शीर्ष नेतृत्व का फैसला नहीं था। निचले कैडर की लापरवाही से उनकी हत्या हुई। इससे पहले माओवादियों ने उन पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाकर उनके घर तक को बम से उड़ा दिया था। दरअसल, मुकेश चंद्राकर एक निर्भीक पत्रकार थे। वे न केवल एनडीटीवी के लिये काम करते थे बल्कि यू ट्यूब पर 'बस्तर जंक्शन' के नाम से एक लोकप्रिय चौनल भी चलाते थे। जिसमें वे बस्तर की दबी–छिपी खबरों को प्रसारित करते रहते थे। उल्लेखनीय है कि सुकमा के पत्रकार नेमीचंद की भी माओवादियों ने पुलिस की मदद करने वाला बताकर हत्या कर दी थी। बहरहाल, बस्तर के पत्रकार चौतरफा हमलों के निशाने पर हैं जबकि उनके संस्थानों से उन्हें पर्याप्त पैसा व सुरक्षा तक नहीं मिलती। माओवादियों, पुलिस व प्रशासन के नजले का शिकार होते पत्रकारों की सुरक्षा के लिये बना कानून भी निष्प्रभावी नजर आ रहा है। अब राज्य सरकार विधानसभा में पत्रकार सुरक्षा कानून पेश करने की बात कर रही है।

दिल्ली चुनाव इंडिया के लिये महत्वपूर्ण

अमन

निर्वाचन आयोग ने दिल्ली विधानसभा के चुनावी कार्यक्रम की जो तारीखें घोषित की हैं, उसके अनुसार इसकी सभी 70 सीटों के लिये 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 को नतीजे आएंगे। सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी को अपनी सरकार बचाने की चुनौती तो है, यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी से कहीं अधिक विपक्षी गठबन्धन इंडिया के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

देश की राजधानी में यह विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले दोनों या यूं कहें कि तीनों चुनावों में जिस तरह से आप ने सफलताएं अर्जित की थीं और उसकी ताकत में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई, उसके चलते कई संकटों के बावजूद आप मजबूती से चुनाव की धुरी बनी हुई है। वह भाजपा के साथ कांग्रेस को भी एक समान चुनौतियां पेश कर रही है। भाजपा के पास खोने को यहां बहुत कुछ नहीं है लेकिन असली दुविधा कांग्रेस के सामने है जिसे यहां अपना खाता तो खोलना ही है, भविष्य में इंडिया के इस महत्वपूर्ण घटक के साथ सम्बन्धों को बनाये रखने की भी चुनौती है जिसका वह नेतृत्व करती है। लोकसभा चुनाव चाहे खत्म हो गया हो परन्तु एक शक्तिशाली प्रतिपक्षी गठबन्धन जो ठोस स्वरूप ले चुका है वह कैसे बरकरार रहे– यह चिंता भी कांग्रेस को करनी है। जन लोकपाल आंदोलन की कोख से जन्मी आप ने अपने पहले ही चुनाव में बड़ी कामयाबी हासिल की थी। उसे 28 सीटें मिली थीं तथा कांग्रेस के सहयोग से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री तो बने थे परन्तु पर्याप्त बहुमत के अभाव में वे लोकपाल बिल पास नहीं करा पाये थे जिसका उन्होंने वादा किया था। 49 दिन की सरकार चलाने के बाद केजरीवाल ने फरवरी 2014 में इस्तीफा दे दिया था। उसके अगले साल हुए चुनाव में पार्टी को 70 में 67 सीटें मिली थीं। 2020 में भी उसे जबर्दस्त कामयाबी मिली थी, बावजूद इसके कि इस बार उसकी विधायक संख्या 62 रही। यह अवधि उसके लिये बड़े संकटों की रही क्योंकि इसी दौरान भाजपा के श्ऑपरेशन लोटसश के रडार पर वह सतत रही। कथित शराब घोटाले के आरोप में उसके एक मंत्री सत्येन्द्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और खुद केजरीवाल गिरफ्तार होकर लम्बे समय तक जेलों में रहे। दिल्ली के उप राज्यपाल ने राज्य के काम–काज में केन्द्र सरकार के इशारे पर कदम–कदम पर अवरोध पैदा किये। उसकी शक्ति घटा दी गयी। सीमित शक्तियों व संसाधनों के बावजूद आप ने जो काम किये उसके चलते निम्न वर्ग अब भी उसका वोट बैंक बना हुआ है जिसके बल पर आप अगली बार फिर से सरकार बनाने का भरोसा रखती है। आप के जो भी नेता जेलों में थे, वे बेशक जमानत पाकर बाहर आ गये हों परन्तु भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिये भ्रष्टाचार को अपना प्रमुख हथियार बनाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए। पार्टी का नाम तोड़–मरोड़कर श्आप–दाश कहने का जुमला गढ़ा और पार्टी को बेहद भ्रष्टाचारी दल बताया।

हिमालयी क्षेत्र में भूकंपीय सुरक्षा की चुनौती

जयसिंह

नये साल के पहले सप्ताह में तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में 7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके उत्तर भारत और हिमालयी राज्यों में महसूस हुए। यह भूकंप इन क्षेत्रों के लिए एक चेतावनी है, क्योंकि हिमालयी राज्य भूकंपीय संवेदनशीलता के लिहाज से जोन पांच और चार में आते हैं, जो सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र माने जाते हैं। भूकंप वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पिछले 100 सालों में इस क्षेत्र में 8 तीव्रता का बड़ा भूकंप नहीं आया है, जिससे धरती के अंदर बहुत अधिक भूगर्भीय ऊर्जा जमा हो चुकी है। यह ऊर्जा कभी भी घातकता के साथ निकल सकती है। भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सतर्कता और जागरूकता से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट में 8 जनवरी के दिन सिक्किम में 2.8 से लेकर 4.9 तीव्रता तक के 24 भूकम्पों के रिकार्ड किये जाने का उल्लेख है। 7 जनवरी को भी इतने ही भूकम्प सिक्किम में दर्ज हुए थे। इस साल पहली जनवरी से लेकर 8 जनवरी तक मणिपुर, हिमाचल प्रदेश के डोडा, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और गुजरात के कच्छ आदि में दर्जनों भूचाल दर्ज हुए। लोकसभा में 6 दिसम्बर, 2023 को पृथ्वी विज्ञान मंत्री द्वारा दिये गये एक वक्तव्य के अनुसार उत्तर भारत और नेपाल में आने वाले भूकम्पों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोड़ा फॉल्ट का सक्रिय होना है। वैज्ञानिक पहले ही एमसीटी जैसे भ्रंशों के आसपास खतरे की चेतावनी देते रहते हैं। भारत का हिमालयी क्षेत्र अपनी भूगर्भीय रचना के कारण सदैव भूकंप से अत्यधिक प्रभावित रहा है।

हिमालयी क्षेत्र भौतिक दृष्टि से पृथ्वी की सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। हिमालय को सबसे युवा और नाजुक पहाड़ माना जाता है। यह क्षेत्र यूरेशियाई और भारतीय प्लेटों के बीच स्थित है, जहां दोनों प्लेटें एक–दूसरे से टकराती हैं। यह टक्कर ही भूकंप के मुख्य कारणों में से एक है। भूगर्भीय इतिहास के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप मूल रूप से एक द्वीप था जो लगभग 50 मिलियन वर्ष पहले एशिया के साथ टकराया और इस प्रक्रिया में हिमालय का निर्माण हुआ। इस टक्कर के कारण पृथ्वी की सतह पर तीव्र दबाव और तनाव उत्पन्न हुआ, जो अब भी भूकंप का कारण बनता है। भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर निरंतर जारी है, परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा उत्पन्न होती है, जो अचानक भूकंप के रूप में पृथ्वी की सतह को हिलाती है। हिमालयी क्षेत्र अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है, जहां भूमि की संरचना में लगातार परिवर्तन हो रहा है। भूकंप के झटके इन पहाड़ों की संरचना में उथल–पुथल पैदा करते हैं। पहाड़ी इलाकों में खनन, जलविद्युत परियोजनाएं और अन्य निर्माण गतिविधियां भी भूकंपीय गतिविधियों को उत्तेजित कर सकती हैं।

इन गतिविधियों से भूमि के भीतर दबाव बढ़ता है, जिससे भूकंप के झटके महसूस हो सकते हैं। उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्र में पिछले लगभग 100 वर्षों से अधिक समय से कोई बड़ा भूकंप (8.0 तीव्रता का) नहीं आया है। हिमालय क्षेत्र में आखिरी बार 8.0 तीव्रता का बड़ा भूकंप 1934 (नेपाल–बिहार भूकंप) और 1950 (असम भूकंप) में आया था। यह स्थिति 'सेस्मिक गैप' कहलाती है। भूविज्ञानियों के अनुसार इस गैप के कारण बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो रही है। इस ऊर्जा के लंबे समय तक रिलीज न होने से भविष्य में बड़े भूकंप की संभावना बढ़ गयी है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाये तो 1803 में गढ़वाल में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 7.5 से अधिक थी और इसने व्यापक तबाही मचाई थी। उसके बाद भयंकर अकाल पड़ा। इसके बाद 1905 में कांगड़ा भूकंप आया जिसकी तीव्रता 7.8 थी, उसने भी हिमालय क्षेत्र में बड़ी तबाही मचाई। सनद्‌ 1950 के असम–तिब्बत भूकंप की तीव्रता 8.6 थी। यह हिमालय में दर्ज सबसे बड़ा भूकंप था, लेकिन उत्तराखंड इससे बचा रहा। उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र लगभग 100 वर्षों से बड़े भूकंप से अछूते हैं, जिससे वैज्ञानिक मानते हैं कि इस 'सेस्मिक गैप' के कारण इतनी भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो चुकी है कि जो एक साथ बाहर निकल गयी तो विध्वंसकारी हो सकती है। फलतरू, भूकंप–रोधी तकनीकों का उपयोग और आपदा प्रबंधन की तैयारियां अत्यंत आवश्यक हैं। भारत सरकार ने 'भारतीय मानक 1893' जैसे निर्माण मानकों को लागू किया है, जो भूकंप–रोधी संरचनाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा विभिन्न

वैज्ञानिक शोधों के माध्यम से कुछ भूकंपीय गतिविधियों का पूर्वानुमान किया जा सकता है। इसके लिए उपग्रहों और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। भारत में भूकंपीय नेटवर्क को मजबूत करना और इससे जुड़ी चेतावनी प्रणालियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। भूकंप की स्थिति में नागरिकों को किस तरह से प्रतिक्रिया करनी चाहिए, यह जानना अत्यधिक आवश्यक है। स्कूलों, कार्यालयों और समुदायों में भूकंप सुरक्षा को लेकर नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास आयोजित करना चाहिए। इसके अलावा, भूकंप–रोधी किट्स जैसे पानी, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान को तैयार रखना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ाना चाहिए, ताकि भूकंप के दौरान इनका गिरना या क्षतिग्रस्त होना कम हो। साथ ही, पुराने ढांचों की मरम्मत और पुनर्निर्माण जरूरी है।

घटिया बयानबाजी का मुखर विरोध जरूरी

कोमल

किसी भी राजनेता को कुछ भी कहने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसी स्थितियां बनानी होंगी कि राजनेता कुछ भी कह देने से पहले दस बार सोचें। उन्हें लगना चाहिए कि उनके गलत को स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसा तभी संभव है जब हम जागरूक होंगेदृ अनुचित को अस्वीकार करने के लिए सन्नद्ध होंगे। आप क्या कह रहे हैं, से कम महत्वपूर्ण नहीं होता यह कि कोई बात आप कैसे कह रहे हैं। सड़कों को साफ–सुथरा और समतल बनाने का वादा करने वाला कोई राजनेता यदि यह कहे कि वह 'सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा चिकना बनवा देगा' तो इसे सिर्फ एक घटिया अभिव्यक्ति मात्र कहकर या समझकर दर–किनार कर देना सही नहीं होगा। दिल्ली के कालकाजी चुनाव–क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने अपने चुनाव–प्रचार में जिस तरह कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम लेकर यह बात कही है, उसकी सिर्फ भर्त्सना ही हो सकती हैदृ और अच्छी बात है कि हो भी रही है। राजनीतिक नफे–नुकसान का गणित लगाने के बाद इस नेता ने भले ही अपने कहे पर खेद व्यक्त कर दिया हो, पर बात यहीं खत्म नहीं होती है। पहली बात तो यह कि हमारे राजनेता अक्सर इस तरह का खेद भले ही व्यक्त कर देते हों, पर अक्सर यह खेद ऊपरी दिखावा मात्र होता है। अब बिधूड़ी का उदाहरण ही लेंदृ सवेरे वे महिलाओं को अपमानित करने वाली बात कहकर खेद व्यक्त करते हैं और उसी शाम दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की इस बात के लिए आलोचना करते हैं कि राजनीतिक लाभ उठाने के लिए आतिशी ने अपना पिता तक बदल लिया! हां, यही मतलब है उस बात का जो बिधूड़ी ने कही थीदृ 'मारलेना ने अपना पिता ही बदल लिया है। पहले उनका 'सरनेम' मारलेना था और अब वह सिंह बन गयी हैं।' और इस वाक्य के बाद उन्होंने जो कहा वह तो और भी आपत्तिजनक हैं। बिधूड़ी ने कहा, 'यह है उनकी संस्कृति!' हमारे नेता अक्सर खेद व्यक्त करते सुने–देखे जाते हैं, पर कभी किसी को सचमुच में खेद होता हो, ऐसा लगता नहीं। गालों जैसी चिकनी सड़कों वाली इसी बात में देखें तो जब बिधूड़ी से अपनी गलती (अपराध पढ़िए) के लिए क्षमा मांगने के लिए कहा गया तो उनकी पहली प्रतिक्रिया थी, 'लालू यादव ने भी हेमा मालिनी के गालों जैसी सड़कों की बात की थी, पहले कांग्रेस उसके लिए क्षमा मांगे, क्योंकि तब लालू यादव कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री थे!' यह कैसा बचाव है? दुर्भाग्य से बचाव का यह तरीका हर रंग के राजनेता अपनाते हैं। 'फलां ने तब ऐसा कहा या किया था, तब माफी क्यों नहीं मांगी गयी?' फिर, क्षमा मांगने या खेद व्यक्त करने की मांग पर एक बात और कहते हैं हमारे राजनेता। 'यदि किसी को मेरी बात से चोट लगी है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं।' इन राजनेताओं से पूछा जाना चाहिए कि इस 'यदि' का क्या मतलब है। किसी के गालों वाली बात कहकर निश्चित रूप से नारी–जाति के प्रति अपनी घटिया सोच का उदाहरण प्रस्तुत किया है बिधूड़ी ने और उन्हें समझ आना चाहिए कि उनसे गलती नहीं, अपराध हुआ है। इस अपराध के लिए उन्हें बिना किसी शर्त के क्षमा मांगनी चाहिए। 'यदि' वाली बात उनके 'खेद' को झूठा साबित करती है। क्षमा मांगना आसान नहीं होता। जब हम क्षमा मांगते हैं तो वास्तव में हम अपने गलत किये का पश्चाताप कर रहे होते हैं। ऐसा कोई पश्चाताप का भाव हमारे राजनेताओं के खेद में कहीं भी दिखाई नहीं देता। एक रस्म अदायगी कर देते हैं वेदृऔर मान लेते हैं कि उनके पाप धुल गये। पाप धुलते नहीं हैं, बार–बार उजागर होते हैं। बिधूड़ी का सोनिया गांधी के संदर्भ वाला बयान सनद्‌ 2017 का है। यानी आज से सात–आठ साल पहले का। तब उन्होंने इटली की घटिया संस्कृति की बात कहकर सोनिया गांधी को कोसा था। वैसी ही महिलाओं के प्रति अपमानजनक सोच वाली बात उन्होंने अब कही है। स्पष्ट है उन्हें किसी प्रकार का पश्चाताप न तब था और न ही अब है। वस्तुतः यह उदाहरण घटिया राजनीति का ही नहीं, घटिया मानसिकता का भी है। और, दुर्भाग्य से, यह मानसिकता हमारी राजनीति में बार–बार उजागर होती रहती है। अंग्रेजी का शब्द है पॉलीटिशियन। इसके लिए हम राजनेता शब्द काम में लेते हैं। घटिया भाषा और घटिया सोच वाले पॉलीटिशियनों के लिए नेता शब्द उचारते हुए भी मुझे झिझक महसूस हो रही है। घटिया सोच वाला कोई व्यक्ति हमारा नेता कैसे हो सकता है, और क्यों होना चाहिए? क्यों न हम ऐसे नेताओं के खिलाफ अभियान छेड़ें? उनका बहिष्कार क्यों न हो? संसद में आपत्तिजनक बात कहने, भाषा बोलने के लिए जब रमेश बिधूड़ी की भर्त्सना हुई तो भाजपा ने लोकसभा के लिए उन्हें उम्मीदवार न बनाकर यह संकेत दिया कि वह इस तरह के आपत्तिजनक आचरण को स्वीकार नहीं करेगी। अच्छा लगा था यह देखकर। पर अब उसी व्यक्ति को विधानसभा का टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि लोकसभा के लिए उन्हें टिकट न देना और अब विधानसभा का टिकट देना, दोनों, राजनीतिक नफे–नुकसान के गणित का परिणाम है। इसका नैतिकता से कोई रिश्ता नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। राजनीति में नैतिकता का न होना, भले ही कैसी भी विवशता क्यों न हो, स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसी तरह शालीनता भी राजनीति को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है। नेता वह होता है जो बेहतर आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करे। जिसकी कथनी–करनी पर भरोसा किया जा सके। पिछली संसद में रमेश बिधूड़ी ने एक साथी सांसद के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया था, उसे एक बीमार सोच का परिणाम ही कहा जा सकता है। तब भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने भी इस सोच का विरोध किया था। अब बिधूड़ी ने जिस भाषा में बात की है उसे भी पार्टी के कुछ नेताओं ने गलत बताया है। यह अच्छी बात है। पर यह दिखावा मात्र बनकर अथवा घड़ियाल के आंसू बनकर नहीं रहनी चाहिए। होना तो यह चाहिए की बिधूड़ी जैसे गलत भाषा इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति को दिया गया टिकट बीजेपी वापस ले ले। पर ऐसा होगा नहीं। होगा वही जो चुनाव का गणित कहता है। अब तक ऐसा ही होता आया है। बात सिर्फ बिधूड़ी की नहीं है अन्य दलों में भी ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे। ये उदाहरण घटिया राजनीति के ही नहीं, घटिया मानसिकता के भी हैं। राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व को भी इस दिशा में सक्रिय होकर राजनीति में शुचिता के लिए स्थान बनाने का ईमानदार प्रयास करना होगा। पर राजनीति और ईमानदारी कहां साथ चल पाते हैं? पिछले चुनाव में एक साध्वी राजनेता ने महात्मा गांधी के हत्यारे को देशभक्त बताया तो सारे देश में एक विवाद खड़ा हो गया था। तब प्रधानमंत्री ने कहा कि वह साध्वी प्रज्ञा को कभी दिल से माफ नहीं कर पाएंगे। लेकिन कुछ ही अर्सा बाद भाजपा ने साध्वी प्रज्ञा को लोकसभा के लिए अपना उम्मीदवार बना दिया! इस उम्मीदवारी को लेकर उन्होंने कुछ नहीं कहा था। नेतृत्व का यह मौन टूटना चाहिए। मुखर होना चाहिए यह मौन। मौन मतदाता को भी तोड़ना होगा। हर जागरूक नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह उस सब का विरोध करे जो राजनीति में गलत कहा या किया जा रहा है। बिधूड़ी जैसे नेता जो कह–कर रहे हैं वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। यह घटिया राजनीति का बड़ा उदाहरण है। इस घटियापन का हर स्तर पर विरोध होना चाहिए। किसी भी राजनेता को कुछ भी कहने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसी स्थितियां बनानी होंगी कि राजनेता कुछ भी कह देने से पहले दस बार सोचें। उन्हें लगना चाहिए कि उनके गलत को स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसा तभी संभव है जब हम जागरूक होंगेदृ अनुचित को अस्वीकार करने के लिए सन्नद्ध होंगे। अपने नेताओं से कहेंगे कि चोट पहुंचने वाली बात से बात नहीं बनेगीदृ बेईमानी वाला खेद कोई मायने नहीं रखता।

अमेरिकी आर्थिक नीतियां अन्य देशों को विपरीत रूप से कर सकती है प्रभावित

प्रह्लाद

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य देशों की मुद्राओं की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिर रही है। इससे, विशेष रूप से विभिन्न वस्तुओं का आयात करने वाले देशों में वस्तुओं के आयात के साथ मुद्रा स्फीति का भी आयात हो रहा है। इन देशों में मुद्रा स्फीति बढ़ती जा रही है और इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक बार पुनः ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना भी बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में से लगभग 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ा है जिससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चत्तम स्तर 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 65,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भी नीचे आ गया है। अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने के चलते विश्व के लगभग सभी देशों की यही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है एवं अमेरिका को इसे नियंत्रित करने के लिए अपनी आय में वृद्धि करना एवं व्यय को घटाना आवश्यक हो गया है। परंतु, 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा आयकर में भारी कमी की घोषणा की जाय। डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषण में इसके बारे में इशारा भी किया था। हां, सम्भव है कि आयकर को कम करने के चलते कुल आय में होने वाली कमी की भरपाई अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि कर इसके निर्यात में वृद्धि एवं अमेरिका में विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका में होने वाले आयात पर कर में वृद्धि करने के चलते कुछ हद्द तक हो सके। परंतु, कुल मिलाकर यदि आय में होने वाली सम्भावित कमी की भरपाई नहीं हो पाती है तो अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि में अतुलनीय वृद्धि सम्भव है। जो एक बार पुनः अमेरिका में मुद्रा स्फीति को बढ़ा सकता है और फिर से अमेरिका में ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि देखने को मिल सकती है। पूरे विश्व में पूंजीवादी नीतियों के चलते मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विभिन्न देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती रही है। किसी भी देश में मुद्रा स्फीति की दर यदि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के चलते बढ़ रही है तो इसे ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर जरूर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। अतः यह मांग की तुलना में आपूर्ति सम्बंधी मुद्दा अधिक है। उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिससे ऋण की लागत बढ़ती है और इसके कारण अंततः विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ती है। उत्पादन लागत के बढ़ने से इन उत्पादों की मांग बाजार में कम होती है जो अंततः इन उत्पादों के उत्पादन में कमी का कारण भी बनती है। उत्पादन में कमी अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छँटनी करने के परिणाम के रूप में भी दिखाई देती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिका में जब मुद्रा स्फीति की दर पिछले लगभग 50 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर अर्थात 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई थी, तब फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर (ब्याज दरों) को भी 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत तक लाया गया था, और यह दर लम्बे समय तक बनी रही थी। इसका प्रभाव, अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों पर अत्यधिक विपरीत रूप में पड़ता दिखाई दिया था और लगभग 2 लाख इंजीनियरों की छँटनी इन कम्पनियों द्वारा की गई थी। अतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने का निर्णय अमानवीय है एवं इसे उचित निर्णय नहीं कहा जा सकता है। ब्याज दरों में वृद्धि करने का परिणाम वैश्विक स्तर पर कोई बहुत अधिक सफल भी नहीं रहा है। अमेरिका को मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के लिए लगभग 3 वर्ष(?) का समय लग गया है और यह इस बीच ब्याज दरों को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने के बावजूद सम्भव नहीं हो पाया है। भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर (ब्याज दर) में पिछले लगभग 22 माह तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था एवं इसे उच्च स्तर पर बनाए रखा गया था जिसका असर अब भारत के आर्थिक विकास दर पर स्पष्टरू दिखाई दे रहा है एवं वित्तीय वर्ष 2024–25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत रही है, जो वित्तीय वर्ष 2023–24 में 8.2 प्रतिशत की रही थी। आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर का कम होना अर्थात देश में रोजगार के कम अवसर निर्मित होना एवं नागरिकों की आय में वृद्धि की दर का भी कम होना भी शामिल रहता है। अतः लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर नहीं बनाए रखा जाना चाहिए। यह सही है कि मुद्रा स्फीति को एक दैत्य की संज्ञा भी दी जाती है और इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। अतः किसी भी देश के लिए इसे नियंत्रण में रखना अति आवश्यक है। परंतु, मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने हेतु लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करते जाना भी अमानवीय कृत्य है। ब्याज दरों में वृद्धि की तुलना में विभिन्न उत्पादों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों में इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना भी शामिल होगा, कम्पनियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार के नए अवसरों का निर्माण भी किया जाएगा। इस प्रकार के निर्णय देश की अर्थव्यवस्था के लिए हितकारी एवं लाभदायक साबित होंगे। अमेरिका द्वारा आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित की जा रही विभिन्न घोषणाओं जैसे चीन एवं अन्य देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर आयात कर में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि करना, अमेरिका पर लगातार बढ़ रहे ऋण को कम करने हेतु किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं करना, अमेरिकी बजटीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विदेशी व्यापार के क्षेत्र में व्यापार घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विभिन्न देशों द्वारा डीडोलराईजेशन के प्रयास करना आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनका हल यदि शीघ्र ही नहीं निकाला गया तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ साथ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी। प्राचीन भारत के इतिहास में मुद्रा स्फीति जैसी परेशानियों का जिक्र नहीं के बराबर मिलता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता रहां है अतः वस्तुओं की बढ़ती मांग के स्थान पर बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति ही अधिक रही है। ग्रामीण इलाकों में 50 अथवा 100 ग्रामों के क्लस्टर के बीच हाट (बाजार) लगाए जाते थे जहां स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओंध् उत्पादोंध्खाद्य पदार्थों को बेचा जाता था। स्थानीय स्तर पर निर्मित की जा रही वस्तुओं को स्थानीय बाजार में ही बेचने से इन वस्तुओं के बाजार मूल्य सदैव नियंत्रण में ही रहते थे। अतः वस्तुओं की मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक रहती थी। कई बार तो उपलब्धता का आधिक्य होने के चलते इन वस्तुओं के बाजार में दाम कम होते पाए जाते थे। इस प्रकार मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं दिखाई नहीं देती थीं। जबकि वर्तमान में, विभिन्न देशों के बाजारों में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है, इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से इनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं, और, इन कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जाने लगता है कि किस प्रकार इन वस्तुओं की मांग बाजार में कम की जाय। इसे एक नकारात्मक निर्णय ही कहा जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं।

बकायदारों में मचा हड़कंप, राजस्व टीम के साथ निकले बैंकों के मैनेजर

ब्यूरो सुलतान पुर

सुल्तानपुर। बैंकों से कर्ज लेकर बकाया धनराशि नही जमा करने वालों के खिलाफ आज वसूली टीम ने अभियान छेड़ा।बकायेदारों के प्रतिष्ठान पर पहुँचकर वसूली टीम द्वारा उन्हें समय के भीतर टैक्स बकाया जमा करने के लिए चेतावनी दी गई । राजस्व विभाग की संयुक्त टीम जिसमें इंडियन बैंक के डीजीएम ,दरियापुर शाखा के मैनेजर तथा विकास भवन शाखा के

मैनेजर ने कर्जदारों को अंतिम अवसर देते हुए उन्होंने बकायदारों को अंतिम चेतावनी दी। सदर तहसील के राजस्व टीम के वसूली इंचार्ज भृगु देव तिवारी ने कहा कि यदि इस बार बकाया पैसे नहीं जमा किए गए तो गिरफ्तारी और कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर रिकवरी टीम में सत्यनारायण यादव, राजेश गुप्ता आज मौजूद रहे ।।तीन बैंकों के अधिकारी मौजूद रहे।।वसूली टीम के कार्रवाई से बकायदाओं में हड़कंप मचा रहा।बकायेदारों में पूर्व मंत्री के करीबी रिश्तेदार के प्रिंटिंग प्रेस के प्रतिष्ठान पर भी टीम पहुँची थी।वहीं गन्दा नाला रोड पर जोया क्लॉथ हाउस,एहतेशाम क्लॉथ हाउस जीएन रोड गुरुवार को पहुंची टीम ने अंतिम अवसर दिया है।।

नवागत पुलिस अधीक्षक पहुचे सम्भाली कमान

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर / नवागत , पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह से मिले अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह, लंभुआ क्षेत्रधिकारी अब्दुस्सलाम,

कादीपुर क्षेत्रधिकारी विनय कुमार। पुलिस कार्यालय के सभी विभागों को समझा, बडे बाबू ने नवागत कप्तान को हस्ताक्षरित हेतु फाइल दिया,नवागत कप्तान ने अधिकारिक तौर पर ली जनपद की कानून व्यवस्था की कमान। नवागत कप्तान कुंवर अनुपम सिंह ने कहा जनता से होगा सीधा संवाद, सरकार की नीतियो को प्रभावी करना प्राथमिकता,जनपद में भय मुक्त माहौल और जनसंवाद आवश्यक।

जिला चिकित्सालय जौनपुर में अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला चिकित्सालय जौनपुर में अनुश्रवण समिति की बैठक श्रीमती मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें चिकित्सालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।बैठक में मरीजो के बेहतर इलाज हेतु सुझाव दिए गए।साथ ही

लैब,ओपीडी, वार्ड,एनआरसी,ब्लड बैंक का भ्रमण किया गया।मरीजो को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए अन्य सुझाव दिए गए।अध्यक्ष महोदय द्वारा भर्ती मरीजों से चिकित्सालय की गतिविधियों का जायजा लिया गया।चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि यहां उपस्थित सभी डॉ अपनी पूरी निष्ठा लगन और तन्मयता से अपने कर्तव्यों को पूर्ण करने में लगे हुए हैं।डॉ आर के पटेल ने कहा कि हॉस्पिटल में लैप्रोस्कोपिक सर्जरी होनी चाहिए और हॉस्पिटल में आईसीयू व सी सी यू की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इस मौके पर श्रीमती मनोरमा मौर्य अध्यक्ष, प्रतिनिधि श्री रामसूरत मौर्या, सदस्य के रूप में मड़ियाहू के विधायक डॉक्टर आरके पटेल,डॉक्टर कमर अब्बास मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,डॉ के के राय एवं क्वालिटी प्रभारी डॉक्टर सैफ हुसैन खान मौजूद रहे।

गोसाईगंज थाना क्षेत्र में नहर मे मिली युवती की हत्या का एसपी ग्रामीण ने किया खुलासा

अयोध्या।थाना गोसाईगंज क्षेत्र स्थित नहर मे मिली युवती के शव के संबंध में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने खुलासा किया।गुरुवार को थाना गोसाईगंज परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा मृतका का परिचित ही आरोपी बाल अपचारी उक्त मृतका का आरोपी निकला।उन्होंने बताया कि 7 जनवरी को मृतका को परिचित उसे फोन कर गांव के बाहर स्थित नहर के पास बुलाया जहां पर कुछ कहासुनी होने के चलते उसने मृतका का गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया।एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि इस हत्या की खुलासे के लिए प्रभारी निरीक्षक परशुराम ओझा के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया था।प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज परशुराम ओझा ने अपनी टीम के साथ आरोपी बाल अपचारी को दिलासीगंज से गिरफ्तार किया।पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल भी बरामद किया।

12 जनवरी को लाखों लोग एक साथ गायेंगे वन्दे मातरम् : डा. सन्दीप पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डा. सन्दीप पाण्डेय के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जी की स्मृति में विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें ऐसा अनुमान है कि लाखों लोग एक साथ वन्दे मातरम गीत गायेंगे। कार्यक्रम की पूर्ण योजना इस प्रकार है, सबसे पहले सुबह 11 बजे एक विशाल शोभायात्रा भण्डारी स्टेशन निकट राज कालेज के मैदान से प्रारम्भ की जायेगी जो सुतहट्टी, सब्जी मण्डी, कोतवाली, चहारसू, शाही पुल, ओलन्दगंज, जेसीज चौराहा, रोडवेज तिराहा होते हुए बीआरपी कालेज के मैदान में प्रवेश करेगी। जहां कार्यक्रम में 2:15 बजे वन्दे मातरम गीत परिसर से गाया जायेगा। जिसमें परिसर के बाहर भी जनपद में, जनपद के बाहर और पूरे देश में जहां तक यह सन्देश गया है, सभी लोग 2रू15 बजे वन्दे मातरम गीत गायेंगे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान डा. सन्दीप पाण्डेय ने बताया कि विदेशों में भी ऐसे बहुत सारे परिवार हैं जो हमारे निवेदन पर 2रू15 बजे वन्दे मातरम गीत गायेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाहक वीरेन्द्र जायसवाल रहेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी जौनपुर डा. दिनेश चन्द, विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल प्रताप सिंह राजा प्रतापगढ़ रहेंगे। इस मौके पर पंकज सिंह, अतुल जायसवाल, अमित पाण्डेय, अवधेश गिरि, जनार्दन पाण्डेय, जयशंकर सिंह, नित्यानन्द पाण्डेय, अतुल मिश्रा, विशाल सिंह, आनन्द देव वर्मा, राहुल अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

चीनी मांझा बेचने वालों के विरुद्ध दर्ज हो गैर इरादतन हत्या का केस–विकास तिवारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में बिक रहें प्रतिबंधित चाइनीज मांझा पर पूर्ण रोक लगाने की मांग को लेकर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता विकास तिवारी के कुशल नेतृत्व में युवाओं का एक जत्था जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक जौनपुर से मिलकर चीनी मांझा बेचने वालों के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए गैर इरादतन हत्या का केस पंजीकृत कर कार्यवाही करने की मांग की। श्री तिवारी का कहना है कि जनपद प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस की लापरवाही व शिथिलता के कारण हमारे जनपद में पूर्ण प्रतिबंध के बाद भी चीनी मांझा और प्रतिबंधित नायलॉन धागा व प्रतिबंधित सिंथेटिक से लेपित धागा तथा गैर बायोडिग्रेडेबल मांझा बेचे जा रहे हैं। जनपद का ऐसी कोई बाजार नहीं है जहां ये प्रतिबंधित धागा और मांझा धड़ल्ले से ना बिक रहा हों लेकिन प्रशासन मुकदर्शक बना पड़ा है। जिसके कारण आये दिन किसी ना किसी व्यक्ति का मांझे से गला कट जा रहा है। जनपद के प्रत्येक गांव व नगर की सड़कों पर यात्रा करने वाले लोग अत्यंत खौफजदा हैं उन्हें इस बात का डर सता रहा है कि कब उनका प्रतिबंधित धागे से उड़ने वाली पतंग के धागों से गला कट जायेगा इसका कोई भरोसा नहीं है। हमारे जनपद मे पिछले कुछ दिनों में उक्त प्रतिबंधित धागों से गला कटने की कई घटनाएं हुई हैं। यदि इन प्रतिबंधित धागे से गला कटने के कारण किसी की मृत्यु होती है तो उस मौत के जिम्मेदार प्रतिबंधित मांझा बेचने वाले ही होंगे। इस मौके पर उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अतुल सिंह ने बिन्दुवार व्याख्या करते हुए कहा कि हमारे जनपद में प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली द्वारा मूल आवेदन संख्या 384 वर्ष 2016 में पारित दिनांक 11 जुलाई, 2017 के निर्णय को अक्षरशः लागू करने में पूर्ण विफलता रही है। चीनी मांझा/नायलॉन मांझा के कारण मनुष्यों के अलावा पक्षी, बंदर भी बार–बार घायल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली ने एप्लिकेशन संख्या 384 वर्ष 2016 (खालिद अशरफ एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में दिनांक 11 जुलाई, 2017 के निर्णय द्वारा नायलॉन या किसी भी सिंथेटिक सामग्री से बने मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने के लिए छह बिंदु निर्देश जारी किए हैं। ज्ञापन देने के दौरान विराज ठाकुर ने कहा कि उक्त आदेश के अनुपालन में अपने गांव व शहर में पतंग उड़ाने के लिए प्रयोग में लायें जा रहे प्रतिबंधित धागे के भंडारण,विक्रय व प्रयोग पर अविलंब पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने की मांग जिला प्रशासन से करते हैं। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से विकास तिवारी, अतुल सिंह, विराज ठाकुर, राजकुमार प्रजापति, शैलेश कुमार, सर्वेश, निर्भय, अश्वनी सिंह मार्शल, धीरज सिंह धीरू, सोनू रजक, आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर भक्ति में डूबा जौनपुर

जौनपुर। नगर के सिद्धार्थ उपवन में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) जौनपुर द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के पंचम दिवस पर भक्तिमय वातावरण चरम पर पहुंच गया। कथा व्यास कमल लोचन प्रभु जी (अध्यक्ष, इस्कॉन मीरा रोडकुम्बई एवं वापीकुगुजरात) ने भगवान श्रीकृष्ण की लीला का ऐसा जीवंत वर्णन किया, जिसने श्रोताओं के मन को ईश्वर के प्रति भक्ति और समर्पण से भर दिया।

कथा व्यास ने कहा वेदान्त का निष्कर्ष इस प्रकार है। मुख्यतः जीवों की दो श्रेणियाँ हैं, क्षर और अक्षर। क्षर सामान्य जीव हैं और अक्षर परमेश्वर है। परमेश्वर को क्षर जीवों द्वारा तीन विभिन्न अवस्थाओं में अनुभव किया जाता है। ये अवस्थाएँ हैं (1) निराकार ब्रह्म (2) अन्तर्यामी परमात्मा और (3) परम प्रभु भगवान। इस अनुभूति को एक पर्वत को देखने के उदाहरण से वर्णित किया जा सकता है। जब हिमालय पर्वत को बहुत दूर से देखा जाता है, तो वह एक बादल के समान प्रतीत होता है। जब कोई और भी निकट जाता है, तो वह एक बड़ी पहाड़ी भूमि जैसा प्रतीत होता है, लेकिन जब कोई वास्तव में उस क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो वह हिमालय को उसके संपूर्ण प्राकृतिक सौंदर्य के साथ देखता है, जिसमें सभी जीव निवास करते हैं। इसी प्रकार यदि वेदान्त का अध्ययन किसी की एबीसीडी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार किया जाए, तो वह परम सत्य को निराकार ब्रह्म या हमारे इन्द्रिय ज्ञान के ठीक विपरीत जान सकता है। जब वेदान्त का अध्ययन योगी की दृष्टि से किया जाता है, जिसने इन्द्रिय–भोग में पूर्णतः विराम ले लिया है, तो परमसत्य परमात्मा के द्वारा स्वयं में ही प्रत्यक्ष हो जाता है। परन्तु इन सबसे बढ़कर जब वेदान्त का अध्ययन श्री व्यासदेव (जो भगवान श्री कृष्ण स्वयं अग्नि हैं, इसलिए ब्रह्म और परमात्मा श्री कृष्ण के ही अंश हैं, और यही वेदान्त सूत्र के महान दर्शन का निर्णय है – जिसे

के शक्ति अवतार हैं) की दृष्टि से किया जाता है, जो वेदान्त सूत्रों और उसके व्याख्या–ग्रन्थ श्रीमद्भागवतम् के मूल संकलनकर्ता हैं, तो परमसत्य उनके सारभूत रूप या परम सत्य में प्रकट होता है। वेदान्त सूत्र का आरम्भ ज्जन्माद्यस्य यतः सूत्र से होता है और इसी सूत्र के साथ वास्तविक भाष्य श्रीमद्भागवतम् भी आरम्भ होता है। श्रीमद्भागवतम् में सामान्य वेदों के चार मुख्य सिद्धांतों अर्थात धार्मिकता का अभ्यास, आर्थिक परिस्थितियों की योजना, इन्द्रिय–इच्छा की पूर्ति और अंत में मानसिक चिन्तन द्वारा मोक्ष प्राप्ति को सावधानीपूर्वक छोड़ दिया गया है। वेदान्त सूत्र और श्रीमद्भागवतम् एक ही वस्तु हैं और इनका उद्देश्य भगवद्गीता में पुरुषोत्तम योग के अध्याय में बताया गया है। इसलिए एक पूर्ण वेदान्ती श्री कृष्ण का भक्त है। निराकार ब्रह्म परमपुरुष का चमकता हुआ तेज है, जैसे अग्नि के लिए प्रकाश है। पुरुषोत्तम भगवान भगवद्गीता के साथ–साथ पूरी दुनिया में बहुत अधिक पसंद किया जाता है। आज कथा के यजमान कुमार प्रिंस और मनीषा देवी रही। संयोजक डा. क्षितिज शर्मा ने सभी भक्तजनों से अपील की है कि वे कथा के शेष दिनों में भी सम्मिलित होकर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त करें और उनके दिव्य संदेशों को अपने जीवन में अपनाएं।

पूर्वांचल कप 2025 राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जौनपुर हुआ विजयी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बेसिक शिक्षा परिषद के सौजन्य से विभाग द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल के मार्गदर्शन में जौनपुर में नव वर्ष के अवसर पर पूर्वांचल कप 2025 का आयोजन किया गया।यह राज्यस्तरीय प्रतियोगिता रही जिसमे अलग अलग जनपद से अपनी प्रतिभागिता रही।प्रतियोगिता में जौनपुर,गोरखपुर,मिर्जापुर, प्रतापगढ़, बलिया,कौशाम्बी से टीम ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता का उद्घाटन पाली ग्राउंड मडियाहूं जौनपुर में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसु रहे।कार्यक्रम संयोजक विनीत सिंह ने आये हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।आज प्रतियोगिता के क्रम में फाइनल मैच जौनपुर और गोरखपुर के बीच हुआ जिसमें जौनपुर पहले बल्लेबाजी करते हुए 167 / 10 विकेट बनायी जबकि गोरखपुर की टीम भी २० ओवर के 167 / 10 पर आल आउट हो गयी। सुपर ओवर में गोरखपुर ने पहले बल्लेबाजी करके 07 रन बनायी और जौनपुर की टीम आखिरी ओवर में विजयी हुई।मुख्य अतिथि द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल के मार्गदर्शन में शिक्षकों द्वारा सभी कार्यक्रम को तन्मयता से किये जाने की सराहना की गई।प्रतियोगिता में मुख्य रूप से रविचन्द्र यादव, विनीत सिंह. आशुतोष मिश्रा प्रिन्स मौर्या अतुल यादव एवं विजय कुमार यादव ग्रामप्रधान जी आदि लोग उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत समस्याओं के निस्तारण हेतु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों की समस्याओं/मांगों तथा कार्मिकों की व्यक्तिगत समस्याओं के निस्तारण हेतु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के द्वारा कर्मचारियों के विभिन्न विभागीय समस्याओं मूलतः समय से वेतन, बोनस, वेतन वृद्धि, एरियर, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, स्थायीकरण, एसीपी, पदोन्नति, यात्राभत्ता, निलंबन, स्थानांतरण एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पावने (देय भुगतान) का समय से न मिलना आदि विभिन्न समस्याओं के सन्दर्भ में अवगत कराया गया जिसपर जिलाधिकारी ने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि विभागों से लम्बित समास्याओं को तत्काल निस्तारित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि अपने कार्यरत कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। सभी विभागाध्यक्ष को सचेत किया कि वे सुनिश्चित करें कि किसी भी कर्मचारी का अनावश्यक उत्पीड़न न होने पाये, पेंशनर्स की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुना जाए तथा इसका निस्तारण भी समय से किया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी कार्मिक संगठनों से जनपद में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में अपना सतत–प्रतिशत योगदान देते हुए जनपद को शीर्ष स्थान पर लाने की अपील भी की।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (शहर) अरविन्द्र वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाकान्त सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के अध्यक्ष/पदाधिकारीगण, जिला स्तरीय अधिकारीगण/आहरण वितरण अधिकारीगण, कर्मचारीगण, सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्मृति शेष अध्यक्ष कपिलदेव मौर्य की याद मे जौनपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित कम्बल वितरण कार्यक्रम मे डीएम,एसपी रहे मौजूद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–जौनपुर प्रेस क्लब के तत्वाधान में स्मृति शेष अध्यक्ष कपिल देव मौर्य की याद में कंबल वितरण का आयोजन आज 10 जनवरी को अध्यक्ष जौनपुर प्रेस क्लब शम्भू सिंह सोलंकी व मुख्य पदाधिकारी अजय प्रताप पाल महामंत्री आशीष पांडेय के देख रेख में किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने किया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष स्व0 कपिल देव मौर्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया । इससे पूर्व अतिथियों को बुके , माल्यार्पण, अंग वस्त्रम व स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया गया । तदुपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित जरूरतमंदो के पास पहुंचकर उन्हें गर्म कंबल प्रदान किया,जिससे उनके चेहरे खिल उठे। इस दौरान भारी संख्या में जरूरतमंद कम्बल लेने वाले मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक पुनीत काम है स्व0 कपिल देव मौर्य जी की याद में यह किया जा रहा है , यह सबसे उचित निर्णय है ,समाज में इस तरह के काम होते रहने चाहिए जिससे जरूरतमन्द को राहत मिल सके .वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह विश्वास नहीं हो रहा है कि अभी कुछ दिनों पहले ही कपिल देव जी की आकस्मिक निधन हुआ है और उनकी याद में यह पुनित कार्य किया जा रहा है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है जो भी संभव मदद होगी इस संस्था को मैं भी करूंगा ,आप सभी मेरा सहयोग करें।इस अवसर पर कार्यक्रम मे प्रदेश सरकार मे दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रही संगीता यादव व हिन्दू भगवा वाहिनी की प्रदेश अध्यक्ष डा0अंजना सिंह कम्बल वितरण कार्यक्रम मे अपनी सहभागिता निभाई।

इस मौके पर जिले की वरिष्ठ पत्रकार लोलारक दुबे और स्व0 कपिल देव मौर्य जी की पत्नी को अधिकारी द्वय ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह जी ने कपिल देव मौर्य के साथ बिताए हुए स्मरणों को साझा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया और कहा कि ऐसे लोगों की याद में इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन संपादक रामजी जायसवाल ने किया और महामंत्री आशीष पाण्डेय स्वागत भाषण प्रेस क्लब की तरफ से किया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से क्लब के सभी पदाधिकारी और सदस्य गण उपस्थित रहे, जिन्हें प्रमुख रूप से अजय प्रताप पाल,वीरेन्द्र सिंह, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव कुंवर दीपक सिंह ,अजय सिंह,शशि मौर्य, सरस सिंह,श्रमित उपाध्याय सहित तहसील अध्यक्ष बदलापुर हुबलाल यादव, मडियाहूं तहसील अध्यक्ष जगदीश सिंह (जेडी सिंह) , केराकत तहसील महामंत्री अमित सिंह अपनी पुरी टीम के साथ मौजूद रहे। इसी क्रम मे समाजसेवी/प्रबन्धक संजय उपाध्याय, दीनानाथ सिंह, शिक्षक नेता देवमणी यादव, रमेश शुक्ला,रमेश चन्द्र पाल,कमलेश राय,संतोष उपाध्याय,डा0 चेतन पाण्डेय, डा0जे पी0सिंह, सिनटू, रविंद्र मिश्रा,एवं विजय प्रताप इण्टरनेशनल विद्यालय की प्रिन्सिपल श्वेता राय सहित ,प्रेस क्लब के जनपद व तहसील के सभी पदाधिकारी/सदस्य मौजूद रहे।

16 जनवरी से गूंजेगी शहनाई,कपड़ा,जेवर व बर्तन सहित अन्य दुकाने लगी सजने

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।16 जनवरी से एक बार फिर शहनाइयां बजनी शुरू हो जाएंगी।अगर देखा जाए तो विद्वान आचार्यो के मुताबिक इस बार पूरे साल विवाह के लिए 69 शुभ मुहूर्त हैं।वही शहर से लेकर गांव तक सहालग को देखते हुए कपड़ा, सराफा, बर्तन आदि व्यापारियों ने तैयारी शुरू कर दी है।वहीं शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक बाजार भी सजना शुरू हो गए हैं। मैरिज हॉल में साफ सफाई और सजावट का काम शुरू हो चुका है। सराफा व्यापारी भी बेहतर व्यवसाय को लेकर उत्साहित है।बताते चले कि 14 मार्च से एक माह तक खरमास लगने की वजह से वैवाहिक आयोजनों पर ब्रेक लग जाएगा।बताते हैं कि इस माह 28 जनवरी तक सहालग के लिए 10 शुभ मुहूर्त मिलेंगे।बाजारों में दिखने लगी सहालग की रौनक एक सप्ताह में सहालग का दौर शुरू हो जाएगा। आयोजकों के साथ ही कारोबारी भी तैयारी में जुट गए हैं। जिन घरों में शादी होने वाली है, उनके परिवारीजन खरीदारी में जुटे हुए हैं। मैरिज लॉन संचालक साफ–सफाई कर रंग–रोगन कराने की तैयारी में लगे हैं। बाजारों में सहालग को लेकर रौनक दिखाई देने लगी है। शादी–विवाह के कारोबार से जुड़े व्यापारी उत्साहित हैं।शहर हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र हो वहां के मैरिज लॉन, होटल, गेस्ट हाउस के संचालको ने बताया कि जनवरी माह में होने वाली शादियों की बुकिंग उनके यहां हो चुकी है।आगे की भी बुकिंग प्रक्रिया चल रही है। सराफा व्यापारियों ने बताया कि कई लोगों ने शादी के जिए जेवर की एडवांस बुकिंग की है।खरमास समाप्त होते ही सभी लोग अपने जेवर ले जाएंगे।

45 वर्ष शानदार पूर्ण करने पर मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स में पुरातन छात्र मिलन समारोह हेतु गोष्ठी का आयोजन

अयोध्या। शुक्रवार को मॉडर्न इंटर कॉलेज में आगामी 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले पुरातन छात्र मिलन समारोह की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य गुदुन प्रसाद यादव, सीबीएसई बोर्ड के प्रधानाचार्य कौशल किशोर सिन्हा, और मॉडर्न इंटर कॉलेज के पुरातन छात्रों ने सक्रिय

भागीदारी की।गोष्ठी में उपस्थित प्रतिष्ठित पुरातन छात्रों में अंबिकेश त्रिपाठी, अवनीश श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, ब्रिज सिंह, युवराज पटेल, विकाश प्रजापति, शिप्रा तिवारी, अनूप वर्मा, और राहुल मिश्रा सम्मिलित रहे। इसके अलावा, विद्यालय के शिक्षकगण ने भी इस बैठक में भाग लिया।गोष्ठी मे अंबिकेश त्रिपाठी ने पुरातन छात्र मिलन समारोह की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह समारोह न केवल गणतंत्र दिवस को विशेष बनाएगा, बल्कि मॉडर्न इंटर कॉलेज के गौरवशाली 46 वर्षों के सफर को भव्यता से मनाने का भी एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने सभी से समारोह में सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए इसे सफल बनाने के लिए सुझाव और सहयोग मांगा।यह गोष्ठी विद्यालय के गौरवशाली इतिहास और इसके उज्ज्वल भविष्य को समर्पित थी।सभी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।गणतंत्र दिवस और विद्यालय का 45वीं वर्षगांठ के इस अद्वितीय संगम में मॉडर्न परिवार के सभी वर्तमान और पूर्व छात्रों को उत्साहपूर्वक आमंत्रित किया गया है।

ऐश्प्रा स्टोर अयोध्या में बच्चों के फैंसी ड्रेस और डांस प्रतियोगिता का शानदार आयोजन

अयोध्या।ऐश्प्रा स्टोर अयोध्या में बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस और डांस प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।इस रंगारंग कार्यक्रम में कुल 35 बच्चों ने भाग लिया और उनकी अद्भुत प्रतिभा ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में बच्चों और उनके माता–पिता ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे माहौल बेहद खुशहाल और यादगार बन गया।डांस प्रतियोगिता में बच्चों ने एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस दीं। नृत्य की अलग–अलग शैलियों में बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भूमिका, द्वितीय स्थान पर आराध्या गुप्ता, और तृतीय स्थान पर नियति गुप्ता ने अपनी जगह बनाई। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में, बच्चों ने विविध परिधानों में अपनी कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। पहले राउंड में आराध्या गुप्ता और दूसरे राउंड में नियति गुप्ता विजेता रहीं।कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र और मेडल

देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए ताकि उनका मनोबल ऊंचा रहे और वे भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें। बच्चों की खुशी और जोश ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया।ऐश्प्रा स्टोर, अयोध्या ने इस कार्यक्रम को और भी खास बनाने के लिए हर छोटे पहलू पर ध्यान दिया।बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया गया, ताकि यह एक पारिवारिक उत्सव जैसा अनुभव बने। आयोजन स्थल को खूबसूरती से सजाया गया था और बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का भरपूर मौका दिया गया।ऐश्प्रा स्टोर, अयोध्या के ओनर श्री महेश अग्रवाल व श्री सुयश अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि ष्यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का साधन बना, बल्कि इससे बच्चों के कौशल को निखारने का मंच भी प्राप्त हुआ। वे भविष्य में भी बच्चों के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष ने चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या।मिशन शक्ति फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बुधवार की शाम शहर के प्रमुख मार्गो सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसके अलावा उन्होंने अपने टीम के साथ इन चौराहे व स्थानो पर संदिग्ध अवस्था में दिखे लोगों से पूछताछ किया और संतोष जनक उत्तर मिलने के बाद ही उन्हें जाने दिया।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने मिशन शक्ति 5.0ष अभियान के तहत शहर के चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहो पर एण्टीरोमियों टीम के साथ प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियो महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित

मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉलध्पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया।"मिशन शक्ति फेज–5 के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम/कस्बा/मौहल्लाधशिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमणध्चौपाल लगाकर छात्राओंध्बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर लाइन–1090, यूपी–112, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर किया गया जागरूक किया।उन्होंने बताया कि पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान विभिन्न चौराहो व बाजारों में लगातार चलाया जाएगा।

प्रयागराज में सीएम योगी ने किया इंडियन बैंक के महाकुंभ मेला विशेष एटीएम डेबिट कार्ड का भव्य लॉन्च

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महिमा को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल में, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज इंडियन बैंक के महाकुंभ मेला विशेष एटीएम डेबिट कार्ड का भव्य अनावरण किया। यह कार्यक्रम महाकुंभ नगरी प्रयागराज में आयोजित हुआ, जहां इंडियन बैंक के मुख्य महाप्रबंधक लखनऊ श्री सुधीर कुमार गुप्ता, क्षेत्र महाप्रबंधक प्रयागराज श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक लखनऊ श्री प्राणेश कुमार, अंचल प्रबंधक प्रयागराज श्री पीएन उपाध्याय सहित कई वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। यह विशेष एटीएम डेबिट कार्ड न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, बल्कि उत्तर प्रदेश की गौरवशाली पहचान को आर्थिक सशक्तिकरण के साथ जोड़ता है। महाकुंभ मेले के 45 दिनों के दौरान राज्यभर में इंडियन बैंक के ग्राहकों को लगभग 2 लाख ऐसे विशेष डेबिट कार्ड वितरित किए जाएंगे। इस कार्ड को महाकुंभ के प्रतीकात्मक लोगो और इंडियन बैंक के लोगो से सुसज्जित किया गया है, और इसे ग्राहकों को शून्य वार्षिक शुल्क पर प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने कहा, "यह पहल उत्तर प्रदेश राज्य में डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के दूरदर्शी दृष्टिकोण के अनुरूप है।" इंडियन बैंक की यह अनूठी पहल महाकुंभ की आध्यात्मिक भावना को आधुनिकता के साथ जोड़ते हुए राज्य के आर्थिक विकास को गति देने का कार्य करेगी।

विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण कर्मचारी संयुक्त संघ के पदाधिकारियों ने की बैठक

अयोध्या। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण कर्मचारी संयुक्त संगठन के पदाधिकारी ने अपने विभिन्न मांगों को लेकर विकास प्राधिकरण सभागार मे बैठक किया।बैठक यह निर्णय लिया गया कि उनकी समस्याओं का 15 दिन में निस्तारण किया जाए।विकास प्राधिकरण कार्मिको,पेंशनर्स की शासन स्तर पर विगत कई वर्षों से लम्बित मांगे जैसे–विकास प्राधिकरण कार्मिकों ध् पेंशनर्स को चिकित्सा व्यय की प्रतिपूति दैनिक वेतनध् वर्कचार्ज एवं संविदा कर्मचारियों का विनियमितीकरण तथा उ०प्र० विकास प्राधिकरण अकेन्द्रीवित सेवा नियमावली का प्रख्यापन आदि मांगों का निराकरण अभी तक आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा नहीं किया गया है।इस सम्बन्ध में उ०प्र० विकास प्राधिकरण कर्मचारी संगठन द्वारा विगत वर्षों में कार्मिकोंध्पेंशनर्स की शासन स्तर पर लम्बित मांगों के निराकरण हेतु अनेकों बार ध्यानाकर्षण ध् प्रत्यावेदन आपकी सेवा में प्रस्तुत किये जा चुके है। परंतु अभी तक इस पर किसी भी समस्या का हल नहीं किया जा सका है।विकास प्राधिकरण कार्मिकोंध् पेंशनरों को चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति का लाभ अनुमन्य न होने के कारण विकास प्राधिकरण कार्मिकध् पेंशनर्स गृद्धा अवस्था में गम्भीर रोगों का समुचित इलाज न करा पाने के फलस्वरूप कार्मिकध्पेंशनर्स की आकस्मिक मृत्यु की दरों में दिन–प्रतिदिन बढोत्तरी हो रही है तथा विकास प्राधिकरणों में दिनांक 31–12–2001 तक नियुक्त एवं लगातार कार्यरत दैनिक वेतनध्वर्कचार्ज एवं संविदा कर्मचारियों का विगत 07 वर्षों से विनियमितीकरण की कार्यवाही शासन स्तर से न होने के फलस्वरूप ऐसे कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है।जिससे कर्मचारियों में काफी रोष पनप रहा है तथा उनकी भावनाएं दिन–प्रतिदिन कुठित हो रही है।बैठक मे विकास प्राधिकरणों में दिनाँक 31 दिसम्बर, 2001 तक नियुक्त एवं कार्यरत दैनिक वेतनध्वर्कचार्ज एवं संविदा कर्मचारियों का तत्काल विनियमितीकरण किया जाय। बहुप्रतीक्षित उ०प्र० विकास प्राधिकरण अकेन्द्रीयित सेवा नियमावली का शासन

स्तर से तत्काल प्रख्यापन कराया जाय।उ०प्र० सरकारी सेवक (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली, 2011 यथा संशोधित 2016 को स्थानीय निकायध् नगर निगमों के कार्मिकोंध्पेंशनरों की भाँति अंगीकृत करते हुए विकास प्राधिकरण कार्मिकोंध्पेंशनरों को चिकित्सा की प्रतिपूर्ति हेतु शासनादेश निर्गत किया जाय।सिविल अपील सख्या 6798ध्2019 प्रेम सिंह बनाम उ०प्र० सरकार एवं अन्य में पारित उच्चतम न्यायालय के निर्णय दिनाँक 02–09–2019 के अनुपालन में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के क्रम में विकास प्राधिकरणों के कार्मिकों को दैनिक वेतनध्वर्कचार्ज एवं संविदा पर की गयी सेवाओं को जोड़ते हुये पेंशन का लाभ दिया जाय।वेतन समिति 2016 के तृतीय प्रतिवेदन भाग 4 द्वारा राजकीय विभागों के संविदा कार्मिकों के सम्बन्ध में प्रदान की गयी संस्तुतियों पर मुख्य सचिव समिति द्वारा दी गयी सस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के आधार पर उ०प्र० शासन, वित (वेतन आयोग), अनुभाग–2 के शासनादेश दिनाँक 06–03–2023 के अनुसार विकास प्राधिकरणों में तैनात संविदा कार्मिकों का वेतन निर्धारण एवं भुगतान किया जाय।विकास प्राधिकरणों में दैनिक वेतनध्वर्कचार्ज एवं संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भाँति महंगाई भत्ता का भुगतान किया जाय।विकास प्राधिकरणों के कार्मिकों की भाँति विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कार्मिकों को भी पेंशन का भुगतान किया जाय।इस तरह के कई मुद्दे छाए रहे। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, वृंदावन दोहरे, यशवीर सिंह, राजेश मिश्रा, एमपी सिंह, अरविंद कश्यप,मोहित प्रताप सिंह,अतुल कपूर,अभिषेक सिंह,नागेंद्र सिंह,राजेश कुमार,बृजेश कुमार,अमित कुमार शर्मा,परदेसी सिंह,कल्लू यादव,शिवकुमार,बाबा गोविंद सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूपी रुद्रास को हैदराबाद तूफान्स से हार का सामना करना पड़ा, मौके चूकने का भुगता खामियाजा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024–25 में बुधवार को बिरसा मुंडा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में यूपी रुद्रास को हैदराबाद तूफान्स के हाथों 3–0 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, स्कोरलाइन जितनी एकतरफा दिखती है, मुकाबला उतना नहीं था, क्योंकि रुद्रास ने कई मौके बनाए लेकिन उन्हें भुनाने में नाकाम रहे। हैदराबाद तूफान्स ने पहले क्वार्टर में ही दबदबा बनाते हुए जैकरी वालेस (6वें मिनट) और राजिंदर सिंह (14वें मिनट) के गोल की मदद से 2–0 की बढ़त बना ली। इसके बावजूद रुद्रास ने पहले क्वार्टर में सर्कल में अधिक बार प्रवेश किया। तमिलनाडु ड्रैगन्स से हारने के बाद वापसी की कोशिश कर रही रुद्रास की टीम, जिसने अपने अभियान की शुरुआत वेदांता कलिंगा लांसर्स और सूरमा एचसी पर शानदार जीत के साथ की थी, अपने मौकों को भुनाने में नाकाम रही। पहले हाफ में रुद्राज ने तीन शॉट्स ऑन गोल, एक पेनल्टी कॉर्नर और 10 सर्कल पेनिट्रेशन किए। हाफ टाइम पर रुद्राज के कोच पॉल वैन ऐस ने आधिकारिक ब्रॉडकास्टर्स से कहा कि हम पर्याप्त खतरनाक नहीं थे। शिलानंद लकड़ा ने 32वें मिनट में तूफान के लिए तीसरा गोल कर स्कोर को 3–0 कर दिया। इसके बाद भी रुद्रास ने दूसरे हाफ में आक्रामक खेल दिखाते हुए कई पेनल्टी कॉर्नर बनाए, लेकिन गोल करने में असफल रहे। मैच के बाद रुद्रास के कप्तान हार्दिक सिंह ने टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि हम अपना खेल बदलना नहीं चाहते थेय हम पहले गोल करना चाहते थे। कुछ हिस्सों में हम बदकिस्मत रहे। मुझे लगता है कि यह सही समय है जब हम साथ बैठें, मैच के रीप्ले देखें और सुधार के लिए जगह तलाशें।" उन्होंने आगे कहा कि अभी 6 मैच बाकी हैं और हमारा ध्यान टॉप 4 में पहुंचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर है।

2027 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस की तैयारियां शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में अभी से जुट गई है। चुनाव से पहले संगठन की मजबूती के लिए पार्टी पूरा जोर लगा रही है। पार्टी मुख्यालय पर बुधवार को प्रयागराज क्षेत्र के 12 जिलों के अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के दावेदारों के साथ संगठनात्मक रणनीति बनाई गई। प्रयागराज क्षेत्र के 12 जिलों सुल्तानपुर, अमेठी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व सोनभद्र से आए अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के दावेदारों से उनकी रणनीति जानी गई। जिले की सियासी स्थिति और सामाजिक समीकरण पर भी प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने चर्चा की। सभी दावेदारों से सवाल–जवाब के जरिये उनकी

काबिलियत परखी गई। बैठक में राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, सांसद केएल शर्मा, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय, संजय कपूर, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, डॉ. उमाशंकर पांडेय, डॉ. अलीमुल्लाह खान, प्रदीप सिंह, पुनीत पाठक आदि शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने बताया कि पहले चरण में 75 जिले व 58 शहर इकाइयों का गठन होगा। इसमें सहयोग व मार्गदर्शन के लिए चयन समिति बनाई गई है। इसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सलमान खुर्शीद, अरुण कुमार मुन्ना, राज बब्बर, बृजलाल खाबरी, सांसद किशोरी लाल, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेंद्र चौधरी शामिल हैं। इस प्रक्रिया का पहला चरण 12 जनवरी को समाप्त होगा।

चुनाव के लिए बूथ स्तर पर तैयार हो रही है कांग्रेस रू पांडेय

प्रयागराज क्षेत्र की बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस हर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव की तैयारी कर रही है। पार्टी नेता राहुल व प्रियंका गांधी के दिशा–निर्देश पर प्रदेश में बूथ स्तर तक संगठन तैयार किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गठबंधन बाद की बात है। अभी हम हर सीट पर तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के हित में महंगाई, बेरोजगारी व गिरती अर्थव्यवस्था, किसानों की समस्याओं, महिला उत्पीड़न जैसे मुद्दों व प्रदेश के विकास के लिए संघर्ष करती रहेगी।

आगरा मंडल में राष्ट्रीय बौद्ध महासभा की कमेटी का गठन, रूपेंद्रपाल सिंह को सौंपी मंडल अध्यक्ष की कमान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

आगरा। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा आगरा मंडल की कमेटी का हुआ गठन मण्डल अध्यक्ष रूपेंद्रपाल सिंह, मण्डल उपाध्यक्ष रामप्रकाश बघेल (आगरा), मण्डल महामंत्री डॉ. मुकेश चद्र गौतम (मथुरा), मण्डल संगठन मंत्री राजवीर सिंह बौद्ध (फिरोजाबाद), तथा मण्डल कोषाध्यक्ष आर. आर. भारती (मैनपुरी), कार्यकारिणी सदस्य श्रीपाल बाबूजी (आगरा) मनोनीत किए गए। राम प्रकाश बघेल उपाध्यक्ष, डॉ.मुकेश चंद्र गौतम (मथुरा) महामंत्री, संगठन मंत्री आर.बी. सिंह (फिरोजाबाद) तथा मंडल कोषाध्यक्ष आर. आर. भारती (मैनपुरी) मनोनीत किए गए। राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष माननीय राजारमन आनंद (पूर्व राज्यमंत्री) ने समस्त निर्वाचित पदाधिकारियों से आशा और अपेक्षा की है। कि मण्डल के सभी जिलों की कमेटियों का गठन व श्रमण– संस्कृति और बुद्ध धम्म के प्रचार–प्रसार को गति प्रदान करेंगे।

40,000 वर्ग मीटर में बने स्वच्छ सुजल गांव का जलशक्ति मंत्री ने किया उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महाकुंभ मेला क्षेत्र में आने वाले श्रृद्धालु यूपी में जल जीवन मिशन की उपलब्धियों से रूबरू हो सकें। इसके लिए जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र में राज्य स्वच्छता एवं पेयजल मिशन द्वारा बनाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' का उद्घाटन किया। नारियल फोड़कर स्वच्छ सुजल गांव का उद्घाटन करने के बाद जल शक्ति मंत्री ने भगवान शिव जी की प्रतिमा का माल्यार्पण किया और स्वच्छ सुजल गांव में बने जल मंदिर में बैठकर जलशक्ति मंत्री ने पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की मंगल कामना की। महाकुंभ मेला क्षेत्र के करीब 40000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक प्रोटोटाइप गांव के बारे में बताते हुए जल शक्ति मंत्री ने कहा कि इसमें जल जीवन मिशन के पहले बुंदेलखंड और जल जीवन मिशन योजना के बाद बुंदेलखंड और प्रदेश के अन्य हिस्सों में आए परिवर्तन को दिखाया गया है। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि आज घर–घर नल से जल पहुंच रहा है। जिससे लोगों के जीवन में परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि अब तक पूरे प्रदेश में 2 करोड़ 35 लाख करोड़ तक नल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। इस मौके पर राज्य स्वच्छता एवं पेयजल मिशन के अधिशासी निदेशक बृज राज सिंह यादव एवं वरिष्ठ मीडिया सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी मौजूद थे। जल शक्ति मंत्री ने स्वच्छ सुजल गांव में बने डिजिटल गेम जोन का लिया आनंद

स्वच्छ सुजल गांव में लगी प्रदर्शनी, इलेक्ट्रॉनिक वॉल और मिशन की सफलता दर्शाने के लिए बनाई गई आर्ट गैलेरी का भ्रमण करने के बाद जल शक्ति मंत्री ने डिजिटल गेम जोन में द वॉटर रन गेम का भी आनंद लिया। द वॉटर रन गेम में जल जीवन मिशन द्वारा सप्लाई किए जा रहे स्वच्छ पेयजल की खूबियों को गेम के माध्यम से दर्शाया गया है। इसमें गेम खेलने वाले व्यक्ति को एक गंदे पानी और एक साफ पानी का विकल्प दिया जाता है। दौड़ते समय यदि व्यक्ति साफ पानी को सिलेक्ट करता है, तो उसकी लाइफलाइन बढ़ती जाती है। इसके बाद जलशक्ति मंत्री ने स्वच्छ सुजल गांव में बनी गौशाला में पहुंचकर गौ माता को गुड़ खिलाया।

दि लाइफ लाइन बुक और विडियो डॉक्यूमेंट्री का किया विमोचन

जल शक्ति मंत्री ने इस मौके पर जल जीवन मिशन से पहले और मिशन के आने के बाद लोगों के जीवन में आए परिवर्तन पर आधारित किताब 'दि लाइफ लाइन' का विमोचन किया। इस किताब में प्रदेश की ऐसी 10 कहानियों का विवरण दिया गया है। इसके अलावा 10 अलग–अलग विडियो डॉक्यूमेंट्री जल कथा को लॉन्च किया। इसमें भी जल संकट की कहानी को दर्शाया गया है। इसमें जल जीवन आने से पहले के संघर्ष और जल जीवन जल आने के बाद के बदलाव को जल कथाओं के माध्यम से दिखाया गया है।

झोपड़ी में फंदे से लटकता मिला साधु का शव, मंदिर परिसर में हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी जिले के बदोसराय थाना क्षेत्र के अमरा कटेहरा देवी मंदिर के पास बृहस्पतिवार सुबह एक साधु का शव संदिग्ध परिस्थितियों में झोपड़ी के अंदर फंदे से लटकता मिला। घटना से मंदिर परिसर और स्थानीय क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान लखनऊ के बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र स्थित अमानीगंज बनावा गांव निवासी 72 वर्षीय ओमप्रकाश उर्फ राधे बाबा के रूप में हुई है। शव मंदिर के सामने बनी झोपड़ी में लटकता हुआ पाया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।